रानी दुर्गावती के अदम्य साहस और शौर्य पर विद्वानों ने किया विमर्श



जबलपुर. मानकुंवर बाई कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई और रानी दुर्गावती शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज के रानी दुर्गावती सभागार में विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका केंद्रीय विषय विश्व की श्रेष्ठतम वीरांगना रानी दुर्गावती रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के अध्यक्ष, प्रोफेसर एवं एनएसएस जिला संगठक डॉ. आनंद सिंह राणा उपस्थित रहे। अपने संबोधन में डॉ. राणा ने रानी दुर्गावती के अदम्य साहस, स्वाभिमान, दूरदर्शी नेतृत्व और प्रजावत्सल शासन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि रानी दुर्गावती केवल गोंडवाना की ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतीय इतिहास की ऐसी अप्रतिम नारी शक्ति थीं, जिन्होंने विषम परिस्थितियों में भी अपने आत्मसम्मान और स्वतंत्रता से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने छात्राओं से वीरांगना के जीवन का तथ्यपरक एवं शोधपरक अध्ययन करने की अपील की। प्राचार्य डॉ. सुनीता मिश्रा ने कहा कि रानी दुर्गावती का जीवन नई पीढ़ी के लिए नारी शक्ति, साहस और राष्ट्रनिष्ठा का सबसे बड़ा स्रोत है। मंच का संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ. प्रज्ञा गुप्ता ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन डॉ. ज्योत्सना झारिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो. अर्चना सिंह, प्रो. अर्चना देवलिया, डॉ. शोभना पांडे और डॉ. दीपिका चक्रवर्ती की विशेष उपस्थिति रही।

Scanned by CamScanner